01581

No. of Printed Pages : 8

EHI-05

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

December, 2015

ELECTIVE COURSE : HISTORY

EHI-05 : INDIA FROM MID-18th CENTURY TO MID-19th CENTURY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

(Weightage 70%)

Note : *This question paper has **three** sections. The students have to attempt any **two** questions in about **500** words each from **Section I**, any **four** questions in about **250** words each from **Section II** and any **two** short notes in about **100** words each from **Section III**. The marks are mentioned against each question.*

SECTION I

1. Write a note on the process of British expansion in North India. *20*

2. Explain the differences between the ideas and activities of the Orientalists and the Utilitarians in India. *20*

3. Discuss the important features of Ryotwari settlement introduced by the British in India. *20*

4. Why did the British try to expand their control beyond Indian borders ? Explain with reference to China and Afghanistan. *20*

SECTION II

5. What was the impact of the commercialisation of agriculture on Indian economy ? *12*

6. Discuss the nature of the Civil Service established by the British in India. *12*

7. Discuss the differences in the state formation between Hyderabad and Mysore states during the 18^{th} century. *12*

8. Write a note on the popular uprisings during the early 19^{th} century. *12*

9. What was the impact of Western knowledge on Indian mind ? *12*

10. Discuss the structure and pattern of trade of the European companies with India during the 17^{th} and 18^{th} centuries. *12*

11. What were the main features of the new poetry ? *12*

12. Briefly discuss the British policy towards 'Sati' in the early 19^{th} century. *12*

SECTION III

13. Write short notes on any ***two*** of the following in about 100 words each : *6+6=12*

(a) Battle of Buxar

(b) Ishwar Chandra Vidyasagar

(c) Regulating Act of 1773

(d) *Fitna*

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : इतिहास

ई.एच.आई.-05 : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक का भारत

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का 70%)

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं । विद्यार्थियों को **खण्ड I** में से कोई **दो** प्रश्न लगभग **500** शब्दों (प्रत्येक) में, **खण्ड II** में से कोई **चार** प्रश्न लगभग **250** शब्दों (प्रत्येक) में तथा **खण्ड III** में से कोई **दो** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग **100** शब्दों (प्रत्येक) में करने हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।*

खण्ड I

1. उत्तरी भारत में अंग्रेज़ी राज के विस्तार की प्रक्रिया पर एक टिप्पणी लिखिए । *20*

2. भारत में प्राच्यवादियों और उपयोगितावादियों के विचारों और कार्यों (गतिविधियों) के बीच के अन्तर की व्याख्या कीजिए । *20*

3. भारत में अंग्रेज़ों द्वारा लागू किए गए रैयतवारी भूमि-व्यवस्था (बंदोबस्त) की प्रमुख विशिष्टताओं की चर्चा कीजिए । *20*

4. अंग्रेज़ों ने भारत की सीमाओं के परे अपना नियंत्रण बढ़ाने का प्रयास क्यों किया ? चीन और अफगानिस्तान के संदर्भ में इसकी व्याख्या कीजिए । *20*

खण्ड II

5. भारतीय अर्थव्यवस्था पर कृषि के वाणिज्यीकरण का क्या प्रभाव पड़ा ? *12*

6. भारत में अंग्रेज़ों द्वारा स्थापित प्रशासनिक सेवा (सिविल सेवा) की प्रकृति पर चर्चा कीजिए । *12*

7. 18वीं शताब्दी के दौरान हैदराबाद और मैसूर राज्यों के बीच राज्य-निर्माण की प्रकृति में भिन्नताओं की विवेचना कीजिए । *12*

8. 19वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में जन-विद्रोहों पर एक टिप्पणी लिखिए । *12*

9. भारतीय मानस पर पश्चिमी ज्ञान का क्या प्रभाव पड़ा ? *12*

10. 17वीं और 18वीं सदी के दौरान भारत के साथ यूरोपीय कम्पनियों के व्यापार के स्वरूप और संरचना की चर्चा कीजिए । *12*

11. नव काव्य की प्रमुख विशेषताएँ क्या थीं ? *12*

12. 19वीं सदी के पूर्वार्द्ध में 'सती' के प्रति अंग्रेज़ी सरकार की क्या नीति थी ? संक्षेप में चर्चा कीजिए । *12*

खण्ड III

13. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *6+6=12*

(क) बक्सर का युद्ध

(ख) ईश्वर चंद्र विद्यासागर

(ग) 1773 का रेगुलेटिंग ऐक्ट

(घ) *फितना*